कोलकाता और सागर के बीच नदी के दोनों ओर आईडब्ल्यूटी टर्मिनल के विकास के लिए कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के द्वारा अभिरूचि की अभिव्यक्ति

कोलकाता पोर्ट भारत का एकमात्र नदी पर बना एक प्रमुख पोर्ट है। दो डोक सिस्टम के साथ पश्चिम बंगाल राज्य में हुगली नदी पर यह पोर्ट बनाया गया है। कोलकाता (Lat 22°33'N, Long.88°19'E) और हल्दिया (Lat 22°01.5'N, Long.88°05'E) दूसरा पोर्ट है। कोलकाता पोर्ट का लंबा नेविगेशनल चैनल बंगाल की खाड़ी में 232 किलोमीटर सन हैड (Lat 20°45'N) तक है जबकि हल्दिया कोलकाता के दक्षिण में 108 किलोमीटर पर स्थित है।

हल्दिया और कोलकाता दोनों के लिए सागर पर अलग-अलग नेविगेबल चैनल हैं। हल्दिया और कोलकाता दोनों को साथ लेकर कोलकाता पोर्ट मौजूदा समय में करीब 50 मिलीयन टन कार्गो संचालित कर रहा है।

2. कोलकाता और हल्दिया स्थित डोक प्रणालियों में प्रतिबंधित प्रारूपों के कारण गहरे प्रारूप वाले वैसल डोक्स में पूरे कार्गो के साथ प्रवेश नहीं कर सकते और फिर उन्हें किसी अन्य पड़ोसी पोर्ट पर आफ लोड/टाप अप करना पड़ता है।

3. हुगली नदी राष्ट्रीय जलमार्ग-1 से बेहतर तरीके से जुड़ी है जिसमें हल्दिया और इलाहाबाद (1620 किलोमीटर) पट्टी शामिल है। इस नदी के जरिए भारत और बांग्लादेश के बीच आवाजाही भी की जाती है जिसके लिए दोनों देशों की प्रोटोकोल नीति का पालन किया जाता है। इससे कोलकाता के वैसल सुंदरबन डेल्टा और बंगलादेश के माध्यम से एनडब्ल्यू-2 के रास्ते जा सकते हैं। साल भर सागर और कोलकाता के बीच पर्याप्त आईडब्ल्यूटी प्रारूप उपलब्ध है।

4. इस पोर्ट के व्यवसाय के विस्तार के लिए मौजूदा उद्योगों के विस्तार और समुद्री तटक्षेत्रों में नए उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया जाना

शामिल है जिससे 2011-12 तक 15-20 मिलियन टन अतिरिक्त कार्गो की आवाजाही की संभावना है जो कि 2021-22 तक 60 मिलियन अतिरिक्त टन कार्गो हो जाएगी इसके लिए नदी के साथ और अधिक बार्ज टर्मिनल की आवश्यकता होगी।

5. कोलकाता पोर्ट विभिन्न स्थानों पर निम्नानुसार नई पोर्ट सुविधाएं विकसित करने की योजना भी बना रहा है :

क) सागर पोर्ट सुविधाएं सागर द्वीप के दक्षिण पश्चिम छोर पर स्थित हैं और कोलकाता के 150 किलोमीटर दक्षिण और हल्दिया के 47 किलोमीटर दक्षिण पर समुद्र और हुगली नदी के मुहाने पर हैं। वर्तमान समय में साल भर से सागर लंगर में कार्गो की लाइटरेज संचालित की जाती है और बार्ज के माध्यम से खाली करने/भरने का काम किया जाता है।

ख) हल्दिया डोक-।। : हल्दिया डोक काम्प्लैक्स के अंतर्गत मौजास सालुखाली/रूपानारायणचक में नदी के पश्चिमी किनारे पर 9 मीटर तक के प्रारूप के रीवराइन जैटीज में समुद्र में जाने वाले पोतों के संचालन के लिए पीपीपी मोड पर एक प्रस्तावित पोर्ट सुविधा है। भारी मात्रा में सामान के संचालन के लिए 4/5 रीवराइन जैटी की परियोजना शामिल है और यह सीधे सड़क रेल और आईडब्ल्यूटी द्वारा हल्दिया स्थित मौजूदा पोर्ट सुविधाओं से जुड़ेगी।

ग) डायमंड हार्बर : मुख्यतः कंटेनर ट्रैफिक संचालित करने के लिए एक प्रस्तावित पोर्ट सुविधा स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। परियोजना में कंटेनर पोत और दो/तीन बार्ज टर्मिनल के लिए चार बड़े जैटी शामिल हैं। खाली करने/भरने का काम रेल, सड़क और आईडब्ल्यूटी के माध्यम से रहेगा। साइट रेल और सड़क दोनों माध्यमों से जुड़ी है।

6. इनलैंड वाटर ट्रैफिक के प्रोत्साहन और नदी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पोर्ट के स्वामित्व वाले रीवरसाड जैटी के नवीनीकरण के साथ-साथ

नए इनलैंड वाटर ट्रांस्पोर्ट (आईडब्ल्यूटी) की स्थापना पर भी काम चल रहा है। आईडब्ल्यूटी ट्रैफिक के संवर्धन के लिए निजी क्षेत्र/आईडब्ल्यूआई भागीदारी के साथ चैदह रीवरसाइड जैटी के लिए केओपीटी द्वारा अनुमति के अनुरूप किया गया है। आईडब्ल्यूएआई कोलकाता में ओल्ड गार्डन रीच जैटी नं.2 पी एक बार्ज टर्मिनल के निर्माण की प्रक्रिया में है।

7. रात्रि नेविगेशन सुविधा मौजूदा समय में समुद्र से डायमंड हार्बर तक और समुद्र से हल्दिया तक उपलब्ध है। डायमंड हार्बर से कोलकाता तक के मार्ग में रात्रि नेविगेशन सुविधा और इससे ऊपर तक आईडब्ल्यूएआई की सक्रिय सहभागिता के चलते शीघ्र ही बढ़ा दी जाएगी।

8. साल भर में कार्गो की आवाजाही सागर से कोलकाता के बीच मार्ग में इनलैंड वैसल द्वारा नदी मार्ग द्वारा होने योग्य है और साल भर कार्गो के सुगम संचालन के लिए मौसम भी अनुकूल रहता है।

9. ड्राइ बल्क कार्गो लाइटरेज संचालन दो स्थानों के संयोजन जैसे अक्तूबर से मार्च सैंडहैड और अप्रैल से सितम्बर तक समुद्र के पास आश्रित क्षेत्र में पूरे साल भर किया जाता है।

10. केओपीटी किसी भी स्थान पर विकासकर्ता की लागत पर उपयुक्त प्रकार के सामान के संचालन के लिए निजी/सरकारी भूमि पर कोलकाता और सागर के बीच नदी के दोनों ओर आईडब्ल्यूटी सुविधाएं विकसित करने का इच्छुक है।

11. कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट, कोलकाता और सागर के बीच नदी के दोनों ओर आईडब्ल्यूटी टर्मिनलों की पहचान और विकास के लिए समान परियोजनाओं के कार्गो के संचालन/खाली करने/भरने के लिए लाजिस्टिक उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऐसी परियोजनाओं के विकास, वित्त पोषण, भवन संचालन और अनुरक्षण में अनुभव रखने वाली इच्छुक फर्मों या फर्म के संघों से अभिरूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित हैं। ऐसी फर्म या फर्म के संघ अपने पिछले तीन सालों का पूर्व अनुभव, औसत वार्षिक टर्नओवर,

आईडब्ल्यूटी टर्मिनल के लिए प्राथमिकता आधार पर वरीयता, संचालित की जाने वाले प्रस्तावित सामान और उसकी मात्राए सुविधाओं का विवरण आदि निदेशक, समुद्र विभाग, 15, स्ट्रांड रोड कोलकाता-1, पश्चिम बंगाल, भारत के पास इस विज्ञापन के जारी होने के 45 दिनों के भीतर भेज सकते हैं। वे फर्में जिन्हें ऊपरवर्णित सभी क्षेत्रों को अनुभव नहीं है और ऐसी परियोजनाओं के प्रचालन के लिए इसी प्रकार के संघ के गठन की उनकी योजना है, वे भी आवेदन कर सकते हैं।